|| ओ३म् ||

आर्य मार्तण्ड

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान का मुखपत्र – पाक्षिक

वैदिक संस्कृति संरक्षण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजा पार्क, जयपुर

वर्ष - ९७ अंक २३ पृष्ठ १६ मूल्य ₹ ०५ सितम्बर प्रथम प्रकाशन ०५ सितम्बर से २० सितम्बर २०२३

चलो जयपुर || ओ३म् || चलो जयपुर

प्रदेश की समस्त आर्यसमाजों

एवं

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

द्वारा

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयंती

के उपलक्ष्य में आयोजित

आर्य महासम्मेलन

शनिवार-रविवार, दिनांक 23-24 सितंबर 2023

आमन्त्रित प्रमुख अतिथिगण

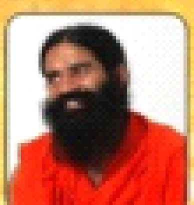

पूज्य स्वामी रामदेव जी, योगपीठ हरिद्वार

श्री कलराज मिश्र जी, महामहिम राज्यपाल, राजस्थान

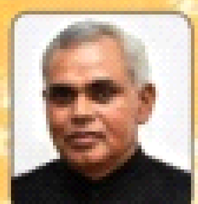

श्री आचार्य देवव्रत आर्य जी, महामहिम राज्यपाल, गुजरात

श्री [illegible] जी, [illegible]

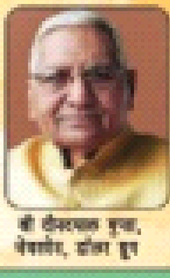

श्री [illegible], [illegible]

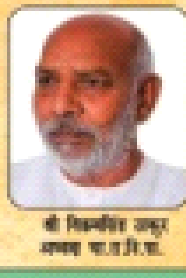

श्री [illegible] [illegible]

डॉ [illegible] आर्य [illegible]

डॉ [illegible] जी [illegible]

आमन्त्रित

आर्यसमाज के गौरव   आर्य तपोमूर्त्ति

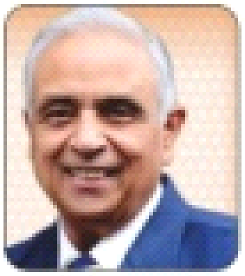

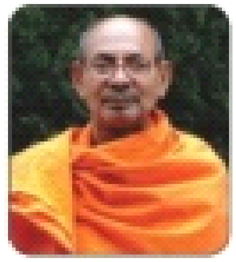

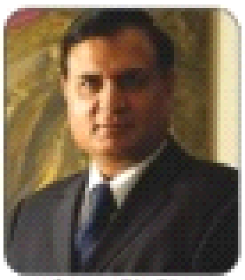

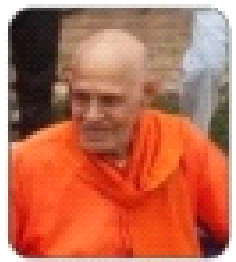

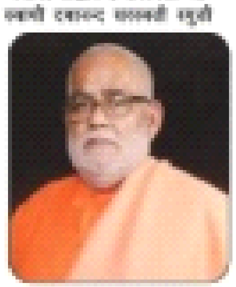
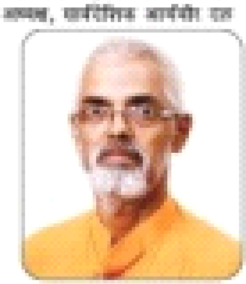

आर. एन. आई. नं. 10471/60

ओ३म्

आर्य मार्तण्ड

आर्य प्रतिनिधि सभा राज. का मुखपत्र

भाद्रपद, कृष्णपक्ष, पंचमी, सम्वत् 2080, कलि सम्वत् 5124, दयानन्दाब्द 199, सृष्टि सम्वत् 01,96,08,53,124

संरक्षक

1. डॉ. रमेशचन्द गुप्ता, अमेरिका
2. श्री दीनदयाल गुप्त (डॉलर फाउन्डेशन)

प्रेरणा स्रोत

1. श्री विजयसिंह भाटी
2. श्री जयसिंह गहलोत

सम्पादक

1. श्री जीव वर्धन शास्त्री

परामर्शक

1. डॉ. मोक्षराज

सम्पादक मण्डल

1. डॉ. सुधीर कुमार शर्मा 2. श्री अशोक कुमार शर्मा
3. डॉ. सन्दीपन कुमार आर्य 4. श्री नरदेव आर्य
5. श्री बलवन्त निडर 6. श्री ओमप्रकाश आर्य

आर्य मार्तण्ड

वार्षिक सदस्यता शुल्क	–	रु. 100/–
पाक्षिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 2100/–
मासिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 5100/–
षाण्मासिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 11000/–
वार्षिक प्रकाशन सहयोग	–	रु. 21000/–

प्रकाशक

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजापार्क,

जयपुर – 302004

0141–2621879, 9314032161

e-mail : aryapratinidhisabhrajasthan@gmail.com

मुद्रण : दिनांक 04.09.2023

दृष्ट्वा रूपे व्याकरोत् सत्यानृते प्रजापतिः।
अश्रद्धामनृतेऽदधाच्छ्रद्धां सत्ये प्रजापतिः।।

विषयानुक्रम

– आह्वान 04
– नई कार्यकारिणी 05
– अन्तरंग सभा 06
– मनोनीत सदस्य 07
– स्वागत समिति 08
– संयोजक 09
– आमन्त्रण 11
– समाचार – वीथिका 13

आर्य मार्तण्ड पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेखों में व्यक्त विचार सम्बन्धित लेखक के हैं। सम्पादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी प्रतिवाद हेतु न्याय क्षेत्र जयपुर ही होगा। आपत्ति की अवधि प्रकाशन तिथि से एक माह के भीतर ही मानी जायेगी।

दि राजस्थान स्टेट को–ऑपरेटिव बैंक लि.
खाता धारक का नामः–आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर
खाता संख्या :– **10008101110072004**
IFSC Code :- RSCB0000008
सभा को दिया गया दान आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत करमुक्त है।
AAHAA5823DE20211

प्रकाशक एवं मुद्रक श्री जीव वर्धन शास्त्री ने स्वामी आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजापार्क जयपुर की ओर से वी.के. प्रिन्टर्स सुदर्शनपुरा जयपुर से आर्य मार्तण्ड पत्रिका मुद्रित कराई और आर्य प्रतिनिधि सभा राजापार्क जयुपर से प्रकाशित सम्पादक– **श्री जीव वर्धन शास्त्री–मन्त्री, आर्य प्रतिनिधि सभा**

आर्य महासम्मेलन राजस्थान
अवश्य पधारें श्री–श्रीमान !

डॉ. मोक्षराज

राजस्थान त्याग बलिदान एवं संघर्ष की भूमि है। इस मरुधरा के ताप, झीलों के प्रपात एवं मानवता के संताप को महर्षि दयानंद सरस्वती महाराज ने कई बार अनुभव किया। मथुरा में पूज्य स्वामी विरजानंद दंडी की कुटिया से संकल्प की अग्नि लेकर वे आगरा–धौलपुर–करौली–भरतपुर–जयपुर– किशनगढ़–अजमेर–पुष्कर–नसीराबाद–मसूदा–बनेडा–शाहपुरा–उदयपुर–चित्तौड़गढ़–जोधपुर तथा आबू पर्वत तक पहुँचे।

महर्षि ने इस संकल्प अग्नि से जहाँ शाहपुराधीश सर नाहर सिंह के यहाँ गार्हपत्य, आहवनीय, आवसथ्य, दक्षिणाग्नि एवं सभ्याग्नि को प्रज्वलित किया वहीं अनेक राजा–महाराजाओं के हृदय में व्याप्त अंधकार को भी दूर करने का यत्न किया।

महर्षि दयानंद सरस्वती को आशा थी कि यदि भरतपुर के जाट राजा एवं पश्चिमी राजस्थान के राजपूत राजाओं के खून ने अंग्रेजों को धूल चटाने के लिए उबाल ले लिया तो भारत शीघ्र ही परतंत्रता की बेड़ियों को पिघलाकर स्वतंत्रता का नया लौह स्तम्भ निर्मित कर सकता है।महर्षि के राजस्थान प्रवास व उपदेशों का ही परिणाम था कि जहाँ भरतपुर के राजा बिजेंद्र सिंह ने भरतपुर शहर के लक्ष्मण मंदिर में हरिजनों का प्रवेश कराया, वहीं मसूदा के महाराजा राव बहादुर सिंह के राज्य में सोनमगरी पहाड़ी पर जैन परिवारों एवं अनेक चीता–मेहरात व काठातों ने यज्ञोपवीत धारण कर वैदिक धर्म अपना लिया था।

एक ओर उदयपुर में महाराणा सज्जनसिंह ने सत्यार्थ प्रकाश जैसी अनमोल निधि पाने के लिए नवलखा महल के द्वार खोल दिए थे वहीं कालांतर में ऋषि के क्रांतिकारी विचारों की शक्ति से परिपूर्ण महाराजा गिर्राज शरण (राजा बच्चू सिंह) ने लाखों हिन्दुओं की रक्षा एवं शुद्धि कार्य का विराट अभियान चला दिया था।

बनेडा, करौली एवं जोधपुर के नरेश भी इस तेजस्वी महापुरुष की आभा से प्रकाशित होने के लिए लालायित थे। इस प्रकार राजस्थान के राजाओं तथा ब्रह्मा मंदिर पुष्कर आदि के महंतों ने उनके वेदभाष्य कार्य के लिए पलक पॉवणे बिछा दिए।

आर्यो, जयपुर की पंडित–मंडली महर्षि के तेज को सह नहीं सकी थी, इसलिए यहाँ ऋषि का प्रभाव उनके आडंबरों, रूढ़िवादिता एवं अंधविश्वासों की दीवारों को भेदने के लिए अवसर नहीं पा सका। उसका परिणाम यह रहा कि छोटी काशी कहलाने वाले जयपुर में आज भी अनेक पंडित अपनी पुत्रियों को न गायत्री आदि मंत्र पढ़ने देते हैं और न ही यज्ञोपवीत धारण करने देते हैं ।

लगभग 145 वर्ष बाद इसी गुलाबी नगरी में महर्षि दयानंद द्वारा प्रचलित आर्ष परंपरा से संस्कारित वेदविदुषी पद्मश्री डॉ. सुकामा जी 200 कन्याओं को यज्ञोपवीत प्रदान करेंगी।

इस सम्मेलन में राजस्थान से जुड़े हुए, महर्षि के शिष्य–राजाओं के अनेक वंशजों को भी आमंत्रित किया है। वे पधार रहे हैं ।

हम चाहते हैं आप भी अपने सभी इष्ट–मित्रों व परिजनों सहित इस सम्मेलन में अवश्य पधारें।

आपका स्वागत है।

संयोजक – आर्य महासम्मेलन राजस्थान

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की नई कार्यकारणी गठित'

'किशनलाल गहलोत–प्रधान, जीव वर्धन शास्त्री–मंत्री, जयसिंह गहलोत–कोषाध्यक्ष डॉ. मोक्षराज–पुस्तकालयाध्यक्ष निर्वाचित'

जयपुर/26.08.23 – प्रदेश की आर्यसमाजों की सर्वोच्च संस्था आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की आमसभा की बैठक शनिवार 26 सितंबर को आर्य प्रतिनिधि सभा कार्यालय भवन राजापार्क में मुख्य निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र सोनी के पर्यवेक्षण में हुई।

पूर्व उप रजिस्ट्रार उच्च न्यायालय जोधपुर एवं निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र सोनी ने बताया कि किशनलाल गहलोत को प्रधान, जीव वर्धन शास्त्री को मंत्री, जयसिंह गहलोत को कोषाध्यक्ष, डॉ. मोक्षराज को पुस्तकालयाध्यक्ष चुना गया है। सर्वसम्मति से चुने गए इन पदाधिकारियों के साथ कार्यकारिणी का भी सर्वसम्मति से गठन किया गया।

कार्यकारिणी में समस्त 'नये संभागों से 10 उप प्रधान' चुने गये। उदयपुर से भंवरलाल आर्य, भरतपुर से मानसिंह आर्य, जोधपुर से वीरेंद्र जांगिड़, बीकानेर से रवि चड्ढा, जयपुर से शिव कुमार कौशिक, कोटा से सुमन बाला सक्सेना, अजमेर से अशोक आर्य, पाली से महेश बागड़ी, सीकर से बीरबल आर्य एवं बाँसवाड़ा से कमलेश तम्बोलिया।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से 15 सदस्य चुने गये, जिनमें नरदेव आर्य, अशोक कुमार शर्मा, सुखलाल आर्य, डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, डॉ. संदीपन कुमार आर्य, बलवंत सिंह निडर, डॉ. लाजपति शर्मा ,सतवीर सिंह, भवदेव शास्त्री, ओम्प्रकाश आर्य, नवीन मिश्र, कान्हाराम आर्य, सवाई राम गोयल, गोवर्धन सिंह चौधरी, शशांक छतवाल सम्मिलित हैं।

सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र सोनी ने शपथ दिलायी ।

नई कार्यकारिणी के गठन से प्रांतभर में खुशी की लहर दौड़ गई ।

उल्लेखनीय है कि 23–24 सितंबर को आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में जयपुर में विशाल आर्य महासम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, नई कार्यकारिणी ने समारोह को सफल बनाने का संकल्प लिया ।

अति आवश्यक सूचना

आर्यमार्तण्ड पाक्षिक के सभी ग्राहकों को सूचित किया जाता है कि जिन ग्राहकों का जो भी शुल्क बकाया है। वे सभी सुधी पाठकगण बकाया शुल्क सभा कार्यालय में जमा करवाने या भिजवाने का श्रम करें ताकि हम आपकी पत्रिका समय पर प्रेषित करते रहें। शुल्क तथा दूरभाष क्रमांक के अभाव में आगामी अंकों को भिजवाया जाना सम्भव नहीं होगा। इस सूचना को सभा द्वारा अन्तिम निवेदन समझा जावे।

कृपया अति शीघ्र निम्न दूरभाष क्रमांक पर सम्पर्क करें।

0141–2621879, 9314032161

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क जयुपर–302004

(पंजीयन क्रमांक 1/जयपुर/1896)

नव निर्वाचित प्रबन्धकारिणी (अन्तरंग सभा) दिनांक 26–08–2023

क्र.स.	नाम	पद
1	श्री किशन लाल गहलोत	प्रधान
2	श्री जीव वर्धन शास्त्री	मन्त्री
3	श्री जय सिंह गहलोत	कोषाध्यक्ष
4	डा. मोक्षराज	पुस्तकालयाध्यक्ष
5	श्री भंवर लाल आर्य	उप प्रधान (उदयपुर संभाग)
6	श्री मान सिंह आर्य	उप प्रधान (भरतपुर संभाग)
7	श्री विरेन्द्र जॉंगिड	उप–प्रधान (जोधपुर संभाग)
8	श्री रवि चड्ढा	उप–प्रधान (बीकानेर संभाग)
9	श्री शिव कुमार कौशिक	उप–प्रधान (जयपुर संभाग)
10	श्रीमती सुमन बाला सक्सैना	उप–प्रधान (कोटा संभाग)
11	श्री अशोक आर्य	उप–प्रधान (अजमेर संभाग)
12	श्री महेश बागडी	उप–प्रधान (पाली संभाग)
13	श्री बीर बल आर्य	उप–प्रधान (सीकर संभाग)
14	श्री कमलेश तम्बोलिया	उप–प्रधान (बांसवाडा संभाग)
15	श्री नरदेव आर्य	अन्तरंग सदस्य
16	श्री अशोक कुमार शर्मा	अन्तरंग सदस्य
17	श्री सुखलाल आर्य	अन्तरंग सदस्य
18	डा. सुधीर कुमार शर्मा	अन्तरंग सदस्य
19	डा. संदीपन कुमार आर्य	अन्तरंग सदस्य
20	श्री बलवन्त सिंह निडर	अन्तरंग सदस्य
21	डा. लाजपति शर्मा	अन्तरंग सदस्य
22	श्री सतवीर सिंह	अन्तरंग सदस्य
23	श्री भवदेव शास्त्री	अन्तरंग सदस्य
24	श्री ओम प्रकाश आर्य	अन्तरंग सदस्य
25	श्री नवीन मिश्र	अन्तरंग सदस्य
26	श्री कान्हा राम आर्य	अन्तरंग सदस्य
27	श्री सवाई राम गोयल	अन्तरंग सदस्य
28	श्री गोबर्धन सिंह चौधरी	अन्तरंग सदस्य
29	श्री शशांक छतवाल	अन्तरंग सदस्य

नव निर्वाचित समस्त पदाधिकारीयों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई – सम्पादक

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

मनोनीत सदस्य

संरक्षक	श्री विजय सिंह भाटी	डा. रमेश चन्द गुप्ता
	डा. अशोक आर्य	डा. सोमदेव शास्त्री
संरक्षक मण्डल	श्री प्रदीप आर्य, अलवर	श्री विजय शर्मा, भीलवाडा
	श्री जगदीश आर्य, जखराना	श्री आनन्द मोहन शर्मा, हनुमानगढ
	डा. कृष्णपाल सिंह, जयपुर	श्री कैलाश बाहेती, कोटा
	श्री ओम मुनि, ब्यावर	श्री सत्यदेव आर्य, भरतपुर
प्रतिष्ठित सदस्य	डा. वेदपाल	आचार्य ओम प्रकाश आर्य
	डा. सूर्या देवी चतुर्वेदा	आचार्य हरिश्चन्द्र शास्त्री
	आचार्य प्रशांत आर्य	आचार्य सोमदेव
विशेष आमन्त्रित सदस्य		
	श्री मोती लाल आर्य	श्रीमती सरला गुप्ता
	श्री विक्रम आंजना	श्री राम बाबू आर्य, हिण्डोन
	श्री एन. डी. शास्त्री	श्री श्रीचन्द गुप्ता
	श्री ओम प्रकाश गुप्ता	डा.सहदेव शास्त्री
	श्री मनोज आर्य	श्री मदन लाल कादेडा
	श्री धर्मवीर आर्य अलवर	श्री कुलदीप राजपुरोहित
	श्री कमलेश रावल	श्री यतीन्द्र शास्त्री
	श्री कैलाश आर्य	श्री बलवीर सिंह आर्य
	श्री अभय देव शर्मा	श्री जगदीश प्रसाद आर्य
	श्री राम कृष्ण शास्त्री	श्री मोहन लाल आर्य पुष्प
	श्री योगेश आर्य	श्री संजय आर्य

मन्त्री

जीव वर्धन शास्त्री

आर्यमहासम्मेलन, राजस्थान

—: स्वागत समिति :—

1. विजय सिंह भाटी, जोधपुर
2. विजय शर्मा, भीलवाड़ा
3. अशोक आर्य, उदयपुर
4. प्रदीप आर्य, अलवर
5. आचार्य ओम प्रकाश आर्य, आबू पर्वत
6. सत्यानन्द आर्य, परोपकारिणी सभा
7. श्रीमती मृदुला सामवेदी, जयपुर
8. रवि नैयर, जयपुर
9. डा. श्रीगोपाल बाहेती, अजमेर
10. देवराज सिंह, उदयपुर
11. विक्रम आंजना, निम्बाहेड़ा
12. कैलाश बाहेती, कोटा
13. सुभाष आर्य, बीकानेर
14. महेश सोनी, बीकानेर
15. सत्यदेव आर्य, भरतपुर
16. रवि चड्ढा, श्रीगंगानगर
17. जय सिंह गहलोत, जोधपुर
18. किशन लाल गहलोत, जोधपुर
19. जीववर्धन शास्त्री
20. डा. सुधीर कुमार शर्मा, जयपुर
21. डा. संदीपन आर्य, जयपुर
22. अशोक कुमार शर्मा, जयपुर
23. सतवीर सिंह

कृपया सम्मेलन के लिये पंजीयन करें

आर्यमहासम्मेलन–2023

जिलेवार संयोजक

क्रं सं.		संयोजक	
1	अजमेर	श्री कृपाल सिंह तोमर	श्री यतीन्द्र शास्त्री
		श्री कमलेश पुरोहित	श्री विश्वास पारीक
2	नागौर	डा. राजेन्द्र सिंह	श्री जगदीश यायावर
3	डीडवाना, कुचामन	श्री मदन मोहन	श्री भुवनेश शर्मा
			श्री महावीर राकेचा
4	टोंक	श्री सुखलाल आर्य	डा. मदन लाल गुर्जर
5	केकडी	श्री अशोक आर्य	श्री भवदेव शास्त्री
6	ब्यावर	श्री अभयदेव धूत	श्री वृतन्जय आर्य
7	शाहपुरा	श्री कन्हैया लाल आर्य	श्री गणपत लाल आर्य
8	भरतपुर	श्री मान सिंह	श्री ओम प्रकाश आर्य
9	धौलपुर	डा. लाजपति शर्मा	श्री राजेश आर्य, मानपुर
10	करौली	श्री राम बाबू पटवारी	श्री विनोद गुर्जर
11	डीग	श्री हजारी लाल	श्री दयाराम आर्य
12	गंगापुर सिटी	श्री संजय आर्य	श्री मनोज आर्य
13	सवाई माधोपुर	श्री सर्वमित्र	श्री रजत भारद्वाज
14	कोटा	श्री मनु सक्सैना	श्री रामचरण आर्य
15	बून्दी	श्री अभयदेव	श्री हेमालाल मेघवंशी
16	बारॉ	श्री पुरुषोत्तम शर्मा	श्री जीत आर्य
17	झालावाड़	श्री विजय राठौड़	श्री मनीश सोनी
18	जोधपुर	श्री विरेन्द्र जॉगिड़	श्री श्याम सांखला
19	फलोदी	श्री चुन्नी लाल	श्री चम्पा लाल
20	जैसलमेर	श्री गगेन्द्र आर्य	श्री कमल आर्य
21	बाडमेर	श्री सुभाष आर्य	श्री डूगरा राम साई
22	बालोतरा	श्री बृजमनोहर पिथानी	श्री सवाईराम आर्य
23	जोधपुर ग्रामीण	श्री राजेश कुमावत	डा. त्रिलोक सांखला
		श्री नरपत राज पटेल	
24	पाली	श्री महेश बागड़ी	श्री ओमप्रकाश मेवाडा
			श्री हुकमाराम
25	जालोर	श्री राजेश सोनी	श्री इन्द्र सिंह राव

26	सांचोर	श्री नरपत सिंह	श्री मूलसिंह चौहान
27	सिरोही	श्री मोती लाल आर्य	श्री दशरथ आर्य
28	उदयपुर	श्री सरला आर्य	श्री हेमांग आर्य
29	चित्तौडगढ़	श्री शिव लाल आंजना	श्री कमल आर्य
30	भीलवाड़ा	श्री अशोक टोडरवाल	श्री शंकर सिंह
31	राजसमन्द	श्री रामलाल	श्री रामजी लाल
32	सलूम्बर	श्री मोती सिंह डोडियार	श्री मनोज राजपुरोहित
33	बॉसबाड़ा	श्री जीतमल आर्य	श्री धर्मेन्द्र आर्य
34	डूॅंगरपुर	डा. राकेश डामोर	डा. गणेश निमाना
35	प्रतापगढ़	श्री विद्यासागर राठौड	श्री सुरेश आर्य
36	बीकानेर	श्री गोवर्धन सिंह चौधरी	श्री भगवानाराम आर्य
37	श्रीगंगानगर	श्री रवि चड्ढा	श्री जुगल किशोर
38	हनुमानंगढ़	श्री आनन्द मोहन	श्री मानसिंह आर्य
39	अनूपगढ़	श्री राजूराम गोदारा	श्री यादवेन्द्र पाहूजा
40	जयपुर	डा. सुमित्रा आर्य	श्रीमती सुधा मित्तल
		श्री सुनील अरोड़ा	श्री अवनीश मैत्री
		श्री जानकी प्रसाद	श्री देवव्रत आचार्य
		श्रीमती शशि दीवान	श्रीमती संध्या आर्य
		श्री शशांक छतवाल	श्रीमती श्रुति शास्त्री
41	जयपुर ग्रामीण	श्री हनुमान आर्य	श्री ओम प्रकाश झालानी
		श्री भॅंवर लाल चौधरी	श्री बन्शीधर आर्य
		श्री नारायण लाल	
42	दूदू	श्री सन्त ओम प्रकाश	श्री सूरज मोर्य
43	दौसा	श्री योगेश आर्य	डा. रतिराम मीणा
44	अलवर	श्री प्रदीप आर्य	श्री धर्मवीर आर्य
45	खैरथल	श्री हरपाल शास्त्री	श्री हरिसिंह भजनीक
46	बहरोड कोटपूतली	श्री रामकृष्ण शास्त्री	श्री विद्यारत्न शास्त्री
47	सीकर	श्री बीरवल आर्य	श्री रामचन्द्र आर्य
48	झुंझुनूं	श्री वेदप्रकाश आर्य	श्री हनुमान प्रसाद
49	चूरू	डा. सत्यनारायण झाझरिया	श्री विजय कुमार शास्त्री
50	नीम का थाना	श्री सागर मल आर्य	श्री नेकी राम आर्य

।। ओ३म् ।।

कृण्वन्तो विश्वमार्य्यम्

—: आमंत्रण :—

'प्रांतीय आर्य महासम्मेलन'

यह सौभाग्य की बात है कि हम अपने जीवन काल में पुनर्जागरण के पुरोधा, महान समाज सुधारक, स्वराज्य के प्रथम मंत्रद्रष्टा, वेदोद्धारक, पिछड़ों व बिछुडों को गले लगाने वाले, पतितपावन, नारीसम्मान प्रदाता, विधवा पुनर्विवाह के पक्षधर, बाल विवाह, मृत्युभोज व भेदभाव के विरोधी, पांखंडियों व अंध मतवादियों के काल, मानवता के सच्चे प्रहरी, महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती का उत्सव मना रहे हैं।

जिसके क्रम में 'आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान' द्वारा जयपुर में एक विशाल 'आर्य महासम्मेलन' आयोजित किया जा रहा है।

यह आयोजन 'भाद्रपद शुक्ल अष्टमी नवमी, वि. सं. 2080 शनिवार–रविवार 23–24 सितंबर 2023' को 'राजस्थान महाविद्यालय, जयपुर के खेल मैदान में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा।

इस कार्यक्रम में आप सभी आर्यजन इष्ट मित्र व परिवार सहित सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण अग्रलिखित हैं, जिनमें आप सभी की सहभागिता प्रार्थनीय है।

'१. 200–200 बालक बालिकाओं के यज्ञोपवीत संस्कार '–

आप सभी पाठकों/आर्यजनों से प्रार्थना है कि हम अपने प्यारे ऋषि की स्मृति में अपने परिवार के बालक/बालिकाओं के यज्ञोपवीत संस्कार अवश्य कराएँ, क्योंकि यह ऐतिहासिक वर्ष है । जो बालक इस अवसर पर यज्ञोपवीत धारण करेंगे, वे महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्म की दूसरी शताब्दी का स्मरण कर आजीवन उत्साह व सांस्कृतिक भावों से जुड़े रहेंगे । बालिकाओं का यज्ञोपवीत संस्कार 23 सितंबर शनिवार को तथा बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार 24 सितंबर को प्रातःकाल होगा। आयु सीमा 8–24 वर्ष ।

२. 'नित्य अग्निहोत्र दीक्षा कार्यक्रम'– इस अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रदेश के 200 दंपतियों का आह्वान कर रहे हैं । जो नित्य अग्निहोत्र करने का संकल्प लेंगे ।

३. '200 कुंडीय यज्ञ–'

महर्षि दयानंद सरस्वती महाराज ने अग्निहोत्र को सर्वजनीन व सरल बना दिया है । अतः हम घर–घर यज्ञ की भावना को मूर्त रूप देने के लिए 800 जोड़ों /1600 यजमानों द्वारा दो सौ कुंडीय विशाल यज्ञ कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं ।

४. 'वर्षों से नित्य अग्निहोत्र करने वाले होंगे सम्मानित–'

इसके साथ ही हम ऐसे लोगों का भी विवरण चाहेंगे जो वर्षों से नित्य अग्निहोत्र कर रहे हैं । उन्हें इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

५. 'नवीन आर्य प्रचारक दीक्षा (पेंशनर्श के लिए) –'

मित्रो, महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने अपने धर्म और देश की रक्षा के लिए प्राणों तक का उत्सर्ग कर दिया ।उनके समय में जितनी विपरीत परिस्थितियाँ थीं, आज वैसी नहीं हैं ।

अब हम सभी यातायात एवं अन्य सुविधाओं से युक्त हैं। ऐसे में सेवानिवृत्ति अथवा किसी व्यावसायिक दायित्व से निवृत्ति के पश्चात् अपने जीवन का कुछ भाग हमें भी अपने देश–धर्म के लिए लगाना चाहिए।

हे पितृतुल्य वरिष्ठ जनो! महर्षि दयानंद सरस्वती जी महाराज के जन्म की दूसरी शताब्दी को सार्थकता प्रदान करने के लिए हमें उनके विचार तथा कार्यों को आज के परिप्रेक्ष्य में पूरा करने का यत्न आरंभ करना होगा । हमें नए संकल्प के साथ घर से भी निकलना होगा । इसके लिए हम स्वस्थ एवं स्वावलंबी पेंशनर्स अथवा किसी भी प्रकार के व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े सज्जनों व देवियों से प्रार्थना करते हैं कि आप हमारे साथ अवश्य जुड़िए ।

इसके लिए हम आपको विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान करेंगे।

आपको विश्वास दिलाते हैं कि आपके पारिवारिक दायित्वों का हम पूरा सम्मान करेंगे तथा आपके जीवन के उत्कर्ष के लिए समय–समय पर आध्यात्मिक प्रशिक्षण भी देते रहेंगे।

हमें आशा है आप सभी के सहयोग से ये सभी कार्यक्रम भव्य एवं दिव्य होंगे।

राष्ट्र देवो भव

कुछ दिन को देशवासियो, ईश्वर को अलग बिठा दो।
आश्रम मठ मन्दिरों में, राष्ट्र देवता को बिठा दो।
सुभाष भगतसिंह को भुलाकर, कुगति हुई हमारी,
"राष्ट्र देवो भव" का फिर से बिगुल बजा दो ।
क्यों निज बल को भूल बैठे, ओ हनुमान के वंशजों।
श्रीराम जैसा व्रत लो, राष्ट्रद्रोहियों को मिटा दो।
अब भी अगर जागे नहीं, ना वक्त फिर मिल पायेगा।
हिन्दू–हिन्दी–हिन्दोस्तां का नामो निशां मिट जायेगा।
ये कुर्सी की लालसा सभी मर्यादाएँ तोड़ चुकी हैं।
कोई तो परशुराम बन इनका निशां हटा दो।
लूट–लूट राष्ट्र को जो स्विट्जरलैंड भर रहे।
ऐसे राष्ट्रद्रोहियों को नंगा कर नचा दो।
देश के संसाधनों पर उनका ही हक पहला।
ऐसे कुर्सीदासों को इतिहास खोल दिखा दो ।
बाबा जोरावर सिंह–फतहसिंह की शहादत ये भूल चुके हैं।
वीर वंदासिंह गुरु भक्त का इन्हें हैवानी हश्र बता दो।

– प्रकाश चन्द्र ' वेदप्रिय'

नगर

जो सब जगत् का निवासस्थान, सब रोगों से रहित और मुमुक्षुओं को मुक्ति समय में सब रोगों से छुड़ाता है, इसलिए परमात्मा का नाम 'केतु' है।

– सत्यार्थ प्रकाश

समाचार – वीथिका

1. आर्य समाज पीपाड़ जोधपुर में श्रावणी पर्व मनाया गया – आर्य समाज पीपाड़ जोधपुर में श्रावणी पर्व कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें आर्य समाज के समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित रहे सभी ने प्रातः काल में हवन गीत और प्रवचन आदि का कार्यक्रम रखा । प्रधान हराज जी , शंकरलाल आर्य ने बताया कि आर्य समाज भवन में श्रावणी पाव कार्यक्रम मनाया गया पीपाड़ आर्य समाज मंदिर में सालो से अनेक कार्य कर्म होते आ रहे हे ।इस कार्यकर्म में उप प्रधान चंपालाप लाल जी आर्य , देवा राम जी , ऊंकार जी, भगवान जी परिहार आदि मौजूद रहे।

2. **श्रीमती देविका** निवासी दीमापुर एवं उनकी सहेली श्रीमती मंजू शर्मा निवासी जयपुर मिलने आर्य प्रतिनिधि सभा कार्यालय जयपुर में पधारीं, जहाँ पर सभा मंत्री श्री जीववर्धन शास्त्री, कोषाध्यक्ष श्री जयसिंह गहलोत एवं वैदिक विद्वानों ने स्वागत किया तथा आशीर्वाद दिया। वैदिक साहित्य भेंट किया गया व आर्य महासम्मेलन 2023 हेतु आमंत्रित किया गया। दोनों माताओं ने प्रसन्न होकर यहां पर रह रहे ब्रह्मचारियों के मिष्ठान्न हेतु रु. 2000/– प्रदान किया। श्रीमती देविका नागालैंड के एक उच्च अधिकारी की धर्मपत्नी हैं तथा आर्यसमाज एवं भारत विकास परिषद् जैसी कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं।

3. **लॉन्ग लाइफ**– भारत में कुपोषण के साथ–साथ कार्डियोमेटाबांलिक बीमारियां (दिल का दौरा, डायबिटीज, फैटी लीवर, ब्लड प्रेशर) तेजी से बढ़ रहा है। इसका कारण डेरी उत्पादों का ज्यादा प्रयोग, स्टार्च मात्रा अधिक (आलू ,गेहूं, चावल), फास्ट फूड का चलन (मैदा), फल सब्जियों का कम प्रयोग करना।

व्यायाम, सुबह की सैर नहीं करना, नियमित भोजन नहीं करना है, अधिक मात्रा में खाना।

डॉक्टर सतीश माथुर–दिल्ली

4. **श्रावणी उपाकर्म पर्व मनाया**– आर्य समाज स्वामी दयानंद मार्ग, अलवर में दिनांक 30 अगस्त 2023 को प्रातः 7.30 बजे से यज्ञ एवं श्रावणी उपाकर्म पर्व (रक्षाबंधन) मनाया गया।

इस अवसर पर ऋग्वेद परायण यज्ञ के साथ आहुतियां डाली गई।

बृजेंद्र देव आर्य– मंत्री

आर्य समाज स्वामी दयानंद मार्ग अलवर

5. **आर्य समाज केकड़ी में मनाया गया श्रावणी उपाक्रम,** ऋषि तर्पण दिवस, रक्षाबंधन का पर्व साथ ही आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के अजमेर संभाग के उप प्रधान पद पर श्री अशोक जी आर्य का चुनाव होने पर आर्य समाज केकड़ी द्वारा किया गया स्वागत सम्मान।

6. आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजापार्क जयपुर में दिनांक २६–२७अगस्त २०२३ को हुए चुनाव में निर्वाचित पदाधिकारियों का महर्षि दयानंद स्मृति भवन न्यास में स्वागत।

7. पाखंड चरम पर है खुद की फीस लाखों में पैसों से मोहमाया त्यागना सिखाते हैं

कथा सुनाने का 10 लाख फीस लेने वाले कहते है कि, सब मोह माया छोड़कर ईश्वर में ध्यान लगाओ लेकिन खुद का ध्यान 10 लाख पर टिका है।

यदि आप देवकीनंदन से कथा करवाते हैं

तो उनकी फीस 12 लाख से लेकर 15 लाख तक है। अनिरुद्धाचार्य की फीस भी 15 लाख से 20 लाख है। इसके अलावा जया किशोरी, धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री इत्यादि कथावाचकों से कथा करवाने के लिए कम से कम 15 से 20 लाख तक का खर्चा आना Normal है।

उसके बाद यह सभी कथावाचक आपको प्रवचन मे बुद्धि प्रदान करते है सब मोह माया है भौतिक सुख का त्याग कर ईश्वर की भक्ति करो, ईश्वर की भक्ति मे परम सुख है भले खुद बिना मर्सिडीज एक कदम भी ना चले। पाखण्ड चरम सीमा पर है। हिंदू धर्म चारों वेदों पर ओतप्रोत है टिका हुआ है, जबकि किसी पाखंडी को वेदों का एक भी अक्षर ज्ञान नहीं है । समय–समय पर इनकी पोल खुलती रहती है ,इनके विचार कितने संकुचित है कि ये कहते हैं की महिलाओं को जनेऊ पहनने का अधिकार नहीं है, महिलाओं को गायत्री मंत्र बोलने का अधिकार नहीं है ,महिलाओं को वेद सुनने का भी अधिकार नहीं है।

एक बार आप अवश्य विचार करें।

9. दिमापुर 30 अगस्त। नागालैंडवासी विद्यानंद जी मिलने आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर भवन में आए और उनके साथ दो बेटियां कु. प्राची जायसवाल एवं सुमन संगम थीं। प्राची एवं सुमन सीकर में मेडिकल के लिए कोचिंग कर रही हैं आज रक्षाबंधन था इसलिए श्री विद्यानंद जी के साथ जयपुर भ्रमण के लिए आई थीं। सभी का सभा भवन में दुपट्टा डालकर सभा मंत्री श्री जीव वर्धन जी शास्त्री ने स्वागत किया। श्री विद्यानंद जी को श्री रणजीत आर्य ने साफा बांधकर स्वागत किया। एक छोटी सी मुलाकात में बहुत कुछ बातें हुईं दयानंद विद्या निकेतन स्कूल दिमापुर के बारे में भी चर्चा हुई उन्होंने बताया कि भवन का निर्माण कार्य चल रहा है और पूर्णतः की स्थिति में है। उन्होंने दूल सर और संतोष जी के बारे में भी चर्चा की। और अंत में संकेत दिया कि यदि कोई मदद की जरूरत हो तो अवश्य बताना। सभी को निमंत्रण पत्र देकर आर्य महासम्मेलन सम्मेलन 2023 के लिए आमंत्रित किया गया।श्री विद्यानंद जी भारत विकास परिषद् एवं आर्यसमाज दिमापुर और दयानंद विद्या निकेतन से जुड़े हुए हैं।

आर्य मार्तण्ड के सम्बन्ध में घोषणा

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क, जयपुर

सम्पादक – जीव वर्धन शास्त्री मुद्रक – वी. के. प्रिन्टर्स,
नागरिकता – भारतीय पता – सुदर्शनपुरा, जयपुर
पता – आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क, जयपुर, राजस्थान
प्रकाशक – जीव वर्धन शास्त्री प्रकाशन अवधि– पाक्षिक
नागरिकता – भारतीय
स्वामीत्व – आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क, जयपुर
पता – आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क, जयपुर, राजस्थान

मैं, जीव वर्धन शास्त्री एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि उपर्युक्त विवरण मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सही है।

प्रकाशक : जीव वर्धन शास्त्री

आर्य महासम्मेलन गतिविधियाँ

आर्यसमाज आर्य नगर खेड़ी, बसेड़ा, जीवनपुरा के सदस्यों को कार्यक्रम का निमंत्रण देते हुए जीववर्धन शास्त्री

आर्यसमाज रोशियां का (मेवात क्षेत्र) के आर्यजनों को सम्मेलन में आमन्त्रित करते हुए अशोक शर्मा

राजार्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेन्द्रसिंह जी व स्वामी मोहनदेव जी को आर्य महासम्मेलन के लिए आमंत्रण देते हुए श्री सत्यदेव आर्य जी के नेतृत्व में भरतपुर जिला आर्य प्रतिनिधि सभा के पदाधिकारिगण

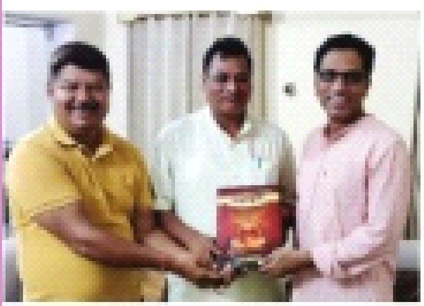

डॉ मनीष सिरोहिवाल सहायक आचार्य दर्शन विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर को मनुस्मृति भेंट करते हुए अशोक शर्मा

आर्य समाज टपूकड़ा जिला खैरथल के पदाधिकारियों को आमंत्रित करते हुए स्वामी केशवानन्द जी सरस्वती, अशोक कुमार शर्मा जी

बालाहेड़ा से पधारी श्रीमती देविका जैन जी एवं मंजू शर्मा जी का सभा कार्यालय में अभिनन्दन करते हुए

अशोक आर्य जी के उपप्रधान अजमेर संभाग निर्वाचित होने पर आर्यसमाज केकड़ी के पदाधिकारी द्वारा अभिनन्दन करते हुए

डाक पंजियन सं. RJ / JPC / 214 /2023-25 आर. एन. आई नं.10471/60

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की नई कार्यकारिणी गठित

किशनलाल गहलोत प्रधान, जीव वर्धन शास्त्री मंत्री, जयसिंह गहलोत कोषाध्यक्ष एवं डॉ. मोक्षराज पुस्तकालयाध्यक्ष निर्वाचित

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान जयपुर की साधारण सभा की बैठक में उपस्थित आर्यजन

प्रेषक:-
सम्पादक,
आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
हनुमान ढाबे के पास , राजा पार्क,
जयपुर - 302004

प्रेषित

टिकट

This document was created with the Win2PDF “print to PDF” printer available at
http://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

http://www.win2pdf.com/purchase/